>

Title: Need to formulate a long-term plan to counter the effects of recurring floods in Pataliputra Parliamentary Constituency in Bihar.

प्रो. रंजन प्रसाद यादव (पाटलिपुत्र): अध्यक्ष महोदया, यह मामला हमारे संसदीय क्षेत्र से जुड़ा है। मैं बिहार में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लाखों पशुओं की मौत और सम्पति के नुकसान के अलावा सैंकड़ों लोगों की मृत्यु की ओर भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। सन् 1954 में बिहार में बाढ़ को रोकने के लिए नीतियां बनाई गई थीं। लगभग 60 वर्षों के बीत जाने के बाद भी बाढ़ को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। हर वर्ष आश्वासन दिए जाते हैं, हजारों मानव और पशुओं की मौत बाढ़ में हो जाती है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र पाटलिपुत्र में दानापुर और मनेर प्रखंड इस वर्ष आई बाढ़ के कारण अत्यधिक प्रभावित है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी के अनुसार दानापुर के दियारा क्षेत्र मनेर प्रखंड के महावा टोला, कित्ता चौहत्तर और कित्ता छिहत्तर इत्यादि जगहों पर गंगा नदी के बहाव के कारण अत्यधिक कटाव हो रहा है। इस रिपोर्ट का ध्यान मैंने पहले भी नियम 377 के अंतर्गत उठाया था। इस पर केन्द्रीय सरकार द्वारा कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके द्वारा जल संसाधन मंत्री जी से फिर से अनुरोध करता हूं कि इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और गंगा कटाव दानापुर, मनेर प्रखंड में तुंत रोकने के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दें। इस संबंध में दीर्धकालिक कोई योजना बनाई जाए, जिससे कि भविष्य में गांव में रहने वाले लोग सुरक्षित रह सकें और वहां की जनता सुखमय, जोखिम मुक्त जीवन बिता सके।